माथुर अध्यक्ष व दुबे सचिव बने

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के चुनाव तथा आमसभा का चुनाव अधिकारी राजेन्द्र जोशी व पर्यवेक्षक हितेष पाटीदार के मार्गदर्शन में हुए। सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया में मनोज माथुर अध्यक्ष, अनुराग दुबे सचिव तथा अशोक पटेल कोषाध्यक्ष चुने गये। अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव प्रवीण पंचाल ने रखा तथा रितेष मेहता व आलाप जोशी ने समर्थन किया। सचिव के नाम का प्रस्ताव सत्येन्द्र सिंह ने रखा तथा समर्थन नरेश जोशी व अशोक श्रीवास्तव ने किया वहीं कोषाध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव घनश्याम जोशी ने रखा जिसका समर्थन दीपेश जोशी व राजेश शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी धनेश्वर मईडा ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को सुविधा मिले इसके लिए राज्य तथा केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजे गए है। अध्यक्षता करते हुए चुनाव अधिकारी राजेन्द्र जोशी ने कहा कि टेबल टेनिस एसोसिएशन ने प्रतिभाओं को अवसर प्रदान किया है। विशिष्ट अतिथि राजस्थान टेबल टेनिस संघ द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक हितेष पाटीदार ने कहा कि यहां खेल के प्रति अच्छा वातावरण है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज माथुर ने कहा कि एसोसिएशन आगामी वर्ष में जिला, संभाग तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा।

बाल मेले में स्वच्छता व व्यसन मुक्ति का दिया संदेश

राजसमन्द, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित गांधी सेवा सदन के 73वें स्थापना दिवस पर त्रिदिवसीय बालोत्सव का आगाज बाल सुलभ क्रियाकलापों के साथ बाल मेले से हुआ। संस्थापक स्वतंत्रता सेनानी देवेन्द्र कुमार कर्णावट द्वारा स्थापित आदर्शों को साकार करते हुए बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने, सामुदायिक सहभागिता, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता के भाव विकसित करने के लिए खाद्य सामग्री एवं रोमांचक खेलों से सुसज्जित बाल मेले का शुभारंभ संस्थामंत्री अणुव्रत प्रवक्ता डॉ महेन्द्र कर्णावट ने माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया।

डॉ महेन्द्र कर्णावट कहा कि पर्व-मेले हमारी परम्परागत संस्कृति के प्रतीक होते हैं, जो पीढियों के संस्कारों को आगे बढाते हैं। बाल मेले के आयोजन के पीछे मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, ईमानदारी, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा सामुदायिक सहभागिता का विकास करना है। बालक स्वयं के अनुभवों से सीखें कि मेहनत की कमाई व ईमानदारी सुकून के साथ गर्व की अनुभूति कराती है। बाल मेले में लगभग 100 विद्यार्थियों ने खाद्य सामग्री तथा खेल-मनोरंजन की 80 दुकानें लगाई।

बाल मेले में लगाई गई स्टॉलो का अवलोकन करते विद्यार्थी।

मेले में विद्यार्थियों तथा अभिभावकों ने इडली-सांभर, चाट पताशा, समौसे, सेंडविच, दहीबडा, पेस्टी, पपडी चाट, शर्बत, मेवाड का प्रसिद्ध व्यंजन राबडी, दाबेली, विविध मिष्ठान, चना-मूंगफली आदि का जम कर लुफ्त उठाया, तो दूसरी ओर रोमांचक खेल तथा मनोरंजन से भरपूर गिलास से पिरामिड बनाना, निशानेबाजी, सिक्का खोजो, ब्लो द कैंडल, बलून बचाओ, पिक द बोटल जैसे खेलों में भाग लिया। 'ईमानदार बनो' दुकान मेले का प्रमुख आकर्षण रही, जहाँ विक्रेता रहित दुकान पर ग्राहक मूल्य सूची के अनुसार रुपये रखकर वस्तु ले जा रहे थे

- **डॉ कर्णावट कहा कि पर्व-मेले हमारी परम्परागत संस्कृति के प्रतीक होते हैं, जो पीढ़ियों के संस्कारों को आगे बढ़ाते हैं**

और अपनी ईमानदारी का परिचय दे रहे थे। ''तम्बाकू मुक्त हो राजसमन्द'' को साकार करती 'नशा मुक्ति' स्टाल सभी को आकर्षित कर रही थी, जिसमें धूम्रपान, तम्बाकू एवं शराब निषेध पेम्पलेट विद्यार्थियों द्वारा सभी को वितरित किए गए। बाल मेले में रंग-बिरंगी विचित्र वेषभूषा में सजे-संवरे नन्हें-मुन्नों की मनमोहक अठखेलियां जीवन को खूबसूरती से जीने का अहसास करा रही थी। विद्या त्रिपाठी, स्नेहलता जैन, प्राची त्यागी, विष्णु कुमार दीक्षित की संयोजना में सम्पन्न बाल मेले में विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं ने जोश-उत्साह, आनंद के साथ भाग लिया।

सार-समाचार

झील संरक्षण कार्यकर्ताओं में आक्रोश

उदयपुर, (कासं)। झीलों से सीवर बायपास करने के प्रशासन के दावे के विपरीत झील पेटे में बिछी हुई सीवर लाइनों में मल मूत्र,गंदे पानी का प्रवाह है। झील संरक्षण कार्यकर्ताओं ने इस पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।रविवार को हुए झील निरीक्षण में कार्यकर्ताओं ने पाया कि ब्रहमपोल गेट क्षेत्र में झील पेटे की सीवरेज लाइन में सीवर तो बह ही रहा है, झील का पानी भी टूटे फूटे मेन होलों में गिर झील से बाहर व्यर्थ जा रहा है। झील संरक्षण समिति से जुडे डॉ अनिल मेहता ने चिंता जताते हुए कहा कि जब तक निगम व यूडी ए की एक सक्षम, समर्पित व चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली सीवर निगरानी एवं संधारण टीम नहीं गठित होगी , ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनी ही रहेगी। झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने कहा कि झील का लाखों लीटर पानी सीवर लाइनों में बह बर्बाद हो रहा है। इसे रोकने के लिए पेटे में बिछी लाइन के जाटवाडी समीप के झील स्थिति मेन होल को पूरी तरह ग्राउट कर देना चाहिए। गांधी मानव कल्याण समिति के निदेशक नंद किशोर शर्मा ने कहा कि झीलों में सीवर प्रवाह के कारण कई जगह झील का पानी पूरी तरह से काला हो गया है। यह झील की पारिस्थितिक व्यवस्था के लिए घातक है।मौके पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता द्रुपद सिंह सहित स्थानीय नागरिकों ने कहा कि सीवर का पेयजल, भूजल स्त्रोतों में मिलना नागरिको के स्वास्थ्य पर एक गंभीर संकट है।

मन को प्रशिक्षित करने के गुर सिखाये

बांसवाड़ा, (निसं)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बांसवाडा द्वितीय में कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं आई लव माइसेल्फ फाउंडेशन के संस्थापक मनुकुल ने दो दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से मन को पढने का तरीका, मन-आत्मा एवं शरीर के बीच संबंध, मन को प्रशिक्षित करने के गूर बताये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने आप को देखें तथा प्रश्न करें एवं सोचे। साथ ही उन्होंने वर्तमान समय में मोबाइल के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराते हुए विद्यार्थियों का इसके सही उपयोग की हिदायत दी। उन्होंने बेरोजगारी व कारण, छात्राओं में होने वाले किशोरावस्था की समस्या पर भी अपने विचार एवं अनुभव साझा किये। प्राचार्य अब्दुल हमीद ने मनुकुल का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में अर्जित ज्ञान को विद्यार्थी अपने गांव-कस्बे में भी साझा करेंगे। समापन सत्र में विद्यालय के शिक्षकों के लिये भी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मनुकुल सर ने वर्तमान में बदलती परिस्थितियों के साथ कैसे अध्यापन कराय जाये कि नई शिक्षा नीति सही मायने में सफल हो सके पर चर्चा की। इस अवसर पर शिक्षक प्रितम नेमा, कामिनी शर्मा, भजन सिंह, सोनम, राहुल विशाल व्यास, मनोज सुथार, राजेन्द्र सिंह दीवाच, विनिता शेखावत, सीमा शर्मा, राजकुमार आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया।

सात बदमाश गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। वांछित अपराधियों की धरपकड कार्यवाही के अंतर्गत रविवार को सुबह जिले के छः थानो की पुलिस व पुलिस लाईन के जाब्ता ने कपासन थाना क्षेत्र की मेवदा कॉलोनी कंजर बस्ती में दबिश देकर सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक थाना स्तर के टॉप टेन वांछित अपराधी में शामिल हैंजिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में वांछित अपराधियों की तलाश व धरपकड कार्यवाही के अंतर्गत रविवार सुबह एएसपी सरीता सिहं व डीएसपी कपासन हरजी लाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी कपासन रतन सिंह पुनि, थानाधिकारी चंदेरिया धर्मराज मय जाप्ता, थानाधिकारी भादसोडा देवेन्द्र कुमार मय जाप्ता थानाधिकारी भूपालसागर तुलसीराम मय जाप्ता, थानाधिकारी आकोला भगवत सिंह मय जाप्ता, थानाधिकारी राशमी श्यामराज सिंह मय जाप्ता तथा पुलिस लाईन चित्तौडगढ का कुल 40 कर्मचारीयों का जाप्ता सम्बधीत थानाधिकारी के साथ कुल 80 पुलिस कर्मियों की गठित टीमों द्वारा मेवदा कॉलोनी कपासन मे कंजर बस्ती मे वांछित अपराधियों की गिरफतारी एवं विभिन्न थाना क्षेत्रो मे चोरी की वारदातो के मध्यनजर दबिश दी गयी। दबिश के दौरान एक टॉप टेन स्थायी वारंटी 37 वर्षीय जगदीश उर्फ भाना पुत्र भेरिया कंजर निवासी मेवदा कॉलोनो थाना कपासन जिला चित्तौडगढ को गिरफतार किया गया एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त संदीग्ध 06 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर पुछताछ की गयी।

'जब तक किसान के घर में समृद्धि नहीं होगी देश में खुशहाली नहीं आ सकती'

उदयपुर, (कासं)। राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार भागीरथ चौधरी ने कहा कि खाद्यान्न में तो हम संपन्न हैं, लेकिन दलहन, तिलहन और फल-फूल उत्पादन के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। दलहन, तिलहन में आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि हम निर्यातक बन सकें, इसके लिए भरसक प्रयास करने होंगे। राज्यमंत्री चौधरी रविवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के नूतन सभागार में आयोजित पूर्व छात्र परिषद के 23 वें राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब तक किसान के घर में समृद्धि नहीं होगी देश में खुशहाली नहीं आ सकती। उन्होंने कहा कि दलहन-तिलहन उत्पादन में कृषि विज्ञान केन्द्र महत्ती भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि कृषि विश्वविद्यालय संज्ञान में लाए तो दलहन-तिलहन, फल एवं फूल उत्पादन में बेहतरी के लिए भारत सरकार हर संभव मदद को तैयार है।

भागीरथ चौधरी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान देश की 145 करोड़ की आबादी को हमारे अन्नदाता किसान ने अविस्मरणीय संबल दिया। यही कारण रहा कि आज देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। किसानों की आय बढाने के प्रधानमंत्री के सपने को मूर्त रूप देने के लिए देश भर के कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के लिए जन जागृति का काम करे। खासकर उदयपुर संभाग जनजाति बहुल इलाका है। ऐसे में यहां के विधार्थियों को कृषि शिक्षा लेकर किसानों की आय बढाने में मददगार बनना चाहिए। समारोह के विशिष्ट अतिथि सांसद मन्नालाल रावत ने देश भर से आए राजस्थान कृषि महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को अनुभव का खजाना बताते हुए कहा कि वे कृषि से जुडे सभी सेक्टर में अपने अनुभव साझा करें ताकि 2047 में विकसित भारत के सपने को साकार रूप दिया जा सके। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि देवनारायण बोर्ड के चेयरमेन ओम बढाना व जिलाध्यक्ष श्री भगवती प्रसाद सारस्वत ने भी विचार रखे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि मेवाड के लिए मक्का फसल किसी वरदान से कम नहीं है। मक्का कभी अनाज और चारे के लिए बोई जाती थी, लेकिन अनुसंधान और कृषि वैज्ञानिकों के प्रयासों की बदौलत मक्का से पोपकॉर्न, बेबीकॉर्न, जर्म ऑयल (मक्का का तेल) जिसमें एण्टीऑक्सीडेन्ट भरपूर मात्रा उपलब्ध है। यहीं नहीं मक्का से स्टार्च के बाद इथेनॉल उत्पादन भी संभव है जिसे भविष्य में पेट्रोल के विकल्प के रूप में अपनाया जा सकता है।

जामा मस्जिद व जलाल शाह बाबा दरगाह कमेटी के चुनाव सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। शहर के चमनपुरा स्थित जामा मस्जिद व जलाल शाह बाबा दरगाह कमेटी के चुनाव आगामी तीन वर्षों के लिए चमनपुरा स्थित मुस्लिम मुसाफिरखाना में सम्पन्न हुए। रविवार प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान हुआ और मतगणना दोपहर 2.30 बजे की जाकर शाम4 बजे चुनाव परिणामों की घोषणा की गई। अंजुमन मीडिया प्रभारी मोहसिन हैदर ने बताया कि सदर, सेक्रेट्री व केशियर पद के लिए मतदान प्रक्रिया अमल में लाई गई जिसमें 226 मतदाताओं ने मतदान किया। चुनाव कन्वीनर एडवोकेट नवेदुज्जमा ने बताया कि सदर पद के उम्मीदवार सैयद किस्मत अली ने 110 वोट हासिल किए और फिरोज खान ने 111 वोट हासिल करते हुए मात्र 1 वोट से सदर पद पर जीत हासिल की।

उजाड़ीकरण विरोध दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। अगर हमें उजाडीकरण से बचना है तो हमें उन्हें उजाडना होगा, जो हमें उजाडते हैं। यह विचार ठेला व्यवसाय मजदूर यूनियन के संरक्षक एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने माछला मंगरा स्थित शिराली भवन में उजाडीकरण विरोध दिवस के उपलक्ष पर आयोजित गोष्ठी में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में विकास के मॉडल के नाम पर उजाडीकरण का मॉडल चल रहा है। सिंघवी ने कहा कि हमें नगर निगम के आने वाले चुनाव में उजाडने वालों के हर जुल्म को याद कर उसका हिसाब देना होगा। गोष्ठी में नेशनल हॉकर फेडरेशन के राज्य संयोजक याकूब मोहम्मद ने कहा कि वर्ष 1999 से देश में ठेला फुटपाथ व्यवसाइयों के उजाडीकरण के विरोध में यह दिवस मनाया जाकर यह संकल्प लिया जाता है कि हम हर चुनौती का मुकाबला कर अपने रोजगार और सम्मान की रक्षा करेंगे। गोष्ठी में ठेला व्यवसाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद निजाम ने कहा कि हमें जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन हम एक रहकर हर दमन का मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई नेता या अफसर उदयपुर आता है तो ठेला फुटपाथ व्यवसाइयो को गंदगी समझकर उन्हें उस रोज रोड से रोजगार से बेदखल कर दिया जाता है तो आने वाले वक्त में हम उन्हें बताएंगे कि उदयपुर में गरीब को गंदगी समझने वालो की राजनीति नहीं चलेगी। गोष्ठी में यूनियन की उपाध्यक्ष मोहिनी माली ने कहा कि नगर निगम गैर कानूनी रूप से ठेला फुटपाथ व्यवसाइयो के समान और माल की जप्त कर उन्हें बाद में कबाड के नाम पर बेच आम जनता के साथ लूट मचा रहा है। गोष्ठी में यूनियन के सचिव मोहम्मद शाहिद ने नगर निगम पर उजाडने का ही काम करने का आरोप लगा कर कहा कि उसका काम उजाडीकरण का न हो बसाने का है।

आम सूचना/विधिक नोटिस

मेरे मुवक्किल महाराणा ऑफ मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर (ट्रस्ट) की हस्ब हिदायत हर आम व खास व्यक्ति को यह सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ (प्रथम चेयरमेन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी) ने अपने जीवनकाल में ही अपने पुत्र श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ को ट्रस्ट का मैनेजिंग ट्रस्टी नियुक्त कर दिया था एवं वर्तमान समय में श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ ट्रस्ट के चेयरमेन है। स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ के जीवनकाल में ही उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री महेन्द्रसिंहजी द्वारा अपने ही पिता पर विभिन्न न्यायालयों में वाद दायर कर दिये गये तत्पश्चात स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ ने अपनी अन्तिम वसीयत दिनांक 15.05.1984 के द्वारा अपने ज्येष्ठ पुत्र श्री महेन्द्रसिंहजी को अपने परिवार से निषेध/वर्जित/बहिष्कृत कर दिया एवं अपने कनिष्ठ पुत्र श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ को उक्त वसीयत का एग्जीक्युटर नियुक्त किया तथा स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ की उक्त अन्तिम वसीयत माननीय सर्वोच्च न्यायालय तक प्रमाणित होकर प्रोबेटेड वसीयत है। हाल ही में दिनांक 10.11.2024 को श्री महेन्द्रसिंहजी पुत्र स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ का देवलोकगमन हुआ एवं स्वर्गीय श्री महेन्द्रसिंहजी के पुत्र श्री विश्वराजसिंह, जो कि उक्त ट्रस्ट में न तो ट्रस्टी है तथा न ही ट्रस्ट में उनका कोई विधिक अधिकार/हक है, का तथाकथित ''महाराणा मेवाड़ की गद्दी पर बिराजने का दस्तूर दिनांक 25.11.2024'' सम्बन्धी सूचना राजराणा प्रज्ञातसिंह देलवाड़ा द्वारा जारी आमन्त्रण पत्र दिनांक 18.11.2024, विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों एवं सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे विडियोज से जानकारी में आया है। उक्त दस्तूर के विस्तार में बदनियति, षडंयन्त्रपूर्वक एवं बिना किसी विधिक अधिकार के दिनांक 25.11.2024 को रैली के रूप में श्री विश्वराजसिंह के साथ अन्य व्यक्तिगण अप्रत्याशित व अवैधानिक/असंवैधानिक तौर से शांति एवं कानून व्यवस्था भंग कर अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए सिटी पैलेस, उदयपुर में क्रिमिनल ट्रेसपास (अपराधिक अतिचार) करने की कुचेष्ठा कर रहे है, जिसके सम्बन्ध में ट्रस्ट द्वारा राज्य सरकार, उदयपुर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग इत्यादि में विधि अनुरूप परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है, परन्तु शान्ति एवं कानून व्यवस्था कायम रहे तथा देश–विदेश से आये सैलानियों एवं ट्रस्ट की निजी सम्पत्ति एवं अधिकृत कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिनांक 25.11.2024 को ट्रस्ट के 'सिटी पैलेस म्यूजियम' में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिये जाने का निर्णय ट्रस्ट द्वारा जनहित में लिया गया है, यदि किसी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा सिटी पैलेस, उदयपुर के किसी भी द्वार से अवैधानिक तौर से प्रवेश करने या ट्रस्ट की निजी सम्पत्ति को नुकसान या ट्रस्ट के किसी कर्मचारी के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है तो ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों के विरूद्वसख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी स्वंय की होगी। जिला प्रशासन उदयपुर से भी करबद्ध आग्रह है कि उपरोक्तानुसार समुचित पुलिस बल/सुरक्षा व्यवस्था का प्रबन्ध किया जावे। सो सूचित रहे।

शीतल कुम्भट
एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर,
''ऋषभ'' 676, सरदारपुरा, 11 'सी' रोड़,
जोधपुर (राज.)

स्थान– उदयपुर
दिनांक– 24.11.2024

आम सूचना/विधिक नोटिस

मेरे मुवक्किल श्री एकलिंगजी ट्रस्ट, उदयपुर (ट्रस्ट) की हस्ब हिदायत हर आम व खास व्यक्ति को यह सूचित किया जाता है कि ट्रस्ट का विधिक गठन दिनांक 12.04.1955 को स्वर्गीय महाराणा श्री भूपालसिंहजी बहादूर द्वारा किया गया एवं वही ट्रस्ट के प्रथम चेयरमेन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी बने तथा स्वर्गीय महाराणा श्री भूपालसिंहजी बहादूर के दुःखद देवलोकगमन दिनांक 04.07.1955 के पश्चात उनके पुत्र स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ उक्त ट्रस्ट के चेयरमेन व मैनेजिंग ट्रस्टी बने तथा स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ के दुःखद देवलोकगमन दिनांक 03.11.1984 के पश्चात उनके कनिष्ठ पुत्र श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ को ट्रस्ट के ट्रस्टीज द्वारा दिनांक 15.11.1984 को ट्रस्ट का चेयरमेन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी विधि अनुरूप नियुक्त किया एवं पिछले 40 वर्षों से श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ उक्त ट्रस्ट के चेयरमेन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी के रूप में श्री एकलिंगनाथजी भगवान की विधि विधान एवं पूजा पद्धति से सेवा, पूजा, भोग, अभिषेक, नैवैद्य इत्यादि अनवरत करते आ रहे है। स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ के ज्येष्ठ पुत्र श्री महेन्द्रसिंहजी या उनके पुत्र श्री विश्वराजसिंह कभी भी उक्त ट्रस्ट में ट्रस्टी नहीं रहे। स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ के जीवनकाल में ही उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री महेन्द्रसिंहजी द्वारा अपने ही पिता पर विभिन्न न्यायालयों में वाद दायर कर दिये गये तत्पश्चात स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ ने अपनी अन्तिम वसीयत दिनांक 15.05.1984 के द्वारा अपने ज्येष्ठ पुत्र श्री महेन्द्रसिंहजी को अपने परिवार से निषेध/वर्जित/बहिष्कृत कर दिया एवं अपने कनिष्ठ पुत्र श्री अरविन्दसिंहजी मेवाड़ को उक्त वसीयत का एग्जीक्युटर नियुक्त किया तथा स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ की उक्त अन्तिम वसीयत माननीय सर्वोच्च न्यायालय तक प्रमाणित होकर प्रोबेटेड वसीयत है। हाल ही में दिनांक 10.11.2024 को श्री महेन्द्रसिंहजी पुत्र स्वर्गीय महाराणा श्री भगवतसिंहजी मेवाड़ का देवलोकगमन हुआ एवं स्वर्गीय श्री महेन्द्रसिंहजी के पुत्र श्री विश्वराजसिंह, जो कि उक्त ट्रस्ट में न तो ट्रस्टी है तथा न ही ट्रस्ट में उनका कोई विधिक अधिकार/हक है, का तथाकथित ''महाराणा मेवाड़ की गद्दी पर बिराजने का दस्तूर दिनांक 25.11.2024'' सम्बन्धी सूचना राजराणा प्रज्ञातसिंह देलवाड़ा द्वारा जारी आमन्त्रण पत्र दिनांक 18.11.2024, विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों एवं सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे विडियोज से जानकारी में आया है। उक्त तथाकथित दस्तूर के विस्तार में बदनियति, षडंयत्रपूर्वक एवं बिना किसी विधिक अधिकार के दिनांक 25.11.2024 को रैली के रूप में श्री विश्वराजसिंह के साथ अन्य व्यक्तिगण अप्रत्याशित व अवैधानिक/असंवैधानिक तौर से शांति एवं कानून व्यवस्था भंग कर अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए श्री एकलिंगनाथजी मन्दिर, कैलाशपुरी, उदयपुर में क्रिमिनल ट्रेसपास (अपराधिक अतिचार) करने की कुचेष्ठा कर रहे है, जिसके सम्बन्ध में ट्रस्ट द्वारा राज्य सरकार, उदयपुर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग इत्यादि में विधि अनुरूप परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है, परन्तु शान्ति एवं कानून व्यवस्था कायम रहे तथा देश–विदेश से आये दर्शनार्थियों, ट्रस्ट की निजी सम्पत्ति एवं अधिकृत कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिनांक 25.11.2024 को ट्रस्ट के निज मन्दिर (श्री एकलिंगनाथजी मन्दिर) में केवल ट्रस्ट द्वारा अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश कर मात्र दर्शन करने की अनुमति देने का निर्णय ट्रस्ट द्वारा जनहित में लिया गया है, एवं अनाधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा रेली/हुजुम/नारेबाजी/हंगामें/जलसा करते हुए ट्रस्ट के निज मन्दिर (श्री एकलिंगनाथजी मन्दिर) के किसी भी द्वार से प्रवेश पूर्णतया निषेध है एवं कोई अनाधिकृत व्यक्ति ट्रस्ट के निज मन्दिर (श्री एकलिंगनाथजी मन्दिर) में अवैधानिक तौर से प्रवेश करने या ट्रस्ट की निजी सम्पत्ति को नुकसान या ट्रस्ट के किसी कर्मचारी के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है तो ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों के विरूद्वसख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी स्वंय की होगी। जिला प्रशासन, उदयपुर को भी एतदद्वारा सूचित व अनुरोध किया जाता है कि उपरोक्तानुसार शान्ति एवं कानून व्यवस्था कायम करने बाबत समुचित पुलिस बल/सुरक्षा व्यवस्था का प्रबन्ध करवाया जावे। सो सूचित रहे।

शीतल कुम्भट
एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर,
''ऋषभ'' 676, सरदारपुरा, 11 'सी' रोड़,
जोधपुर (राज.)

स्थान– उदयपुर
दिनांक– 24.11.2024